

1-22

पत्रानली वकील वादी के प्रा.पत्र वास्तुवाद  
 विद्रा करने के पेश होने पर सिंगे से तलब  
 की गई। वकील वादी उक्त वाद को विद्रा कान  
 चाहते हैं चूंकि पक्षकारान के बीच किये  
 राजीनामा हो जाने से अतः प्रस्तुत प्रा.पत्र  
 अत्रुणा वाद विद्रा करने का आदेश दिया  
 जाय है वाद पत्र से कार्यवाही दली स्वर  
 पर समाप्त की जाती है पत्रानली केवल  
 शुका होकर नम्बर से कम है ९/

*Handwritten signature*  
 H. S. D. S.

दफ्तर अधिकारी  
 वकीलसदस्य वि. चित्तौड़गढ़

